ग्रामीण अर्थव्यवस्था को रफ्तार देतीं ग्रामीण महिलाएं

सखी मंडल से जुड़ कर झारखंड की ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर होते हुए अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. नये-नये समूहों में जाकर उनका सामाजिक दायरा भी बढ़ा है और दूसरी महिलाओं से सकारात्मक बातें भी सीख रही हैं. अब वो किसी भी विपरीत परिस्थिति में घबराती नहीं हैं, बल्कि अपनी समझदारी और समूह की ताकत के जरिये हर मुश्किल को पार कर रही हैं. सखी मंडल से कम ब्याज पर लोन लेकर गांव में ही छोटा-छोटा व्यवसाय कर रही हैं. गांव में व्यवसाय करने से गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है. साथ ही गांव में ही ग्रामीणों को वो सामान भी मिल रहा है, जिसकी हर किसी को जरूरत होती है.

समूह के लोन से खोलीं जूता दुकान

सुषमा कुमारी

प्रखंड : सदर
जिला : हजारीबाग

अपनी जूता दुकान में सलोचना देवी.

हजारीबाग जिला अंतर्गत बेहरी पंचायत के लालपुर चौक गांव की सलोचना देवी आज अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. उनकी जिंदगी में एक ऐसा भी दौर था, जब उन्हें घर के खर्चे के लिए सोचना पड़ता था. उनके सामने यह चिंता होती थी कि आज है, तो कल क्या होगा. इस बीच उन्हें उनके गांव में जेएसएलपीएस द्वारा संचालित महिला समूह की जानकारी मिली. समूह की पूरी जानकारी हासिल करने के बाद वो गंगा आजीविका महिला समूह से जुड़ गयीं. जब समूह में बैंक की ओर से एक लाख रुपये मिले, तब सलोचना ने समूह से बीस हजार रुपये का लोन लिया और गांव में ही जूते की दुकान खोल दीं. गांव में जूते की दुकान नहीं थी, जिसके कारण सलोचना की दुकान चल निकली और अब प्रतिमाह उससे अच्छी आमदनी हो रही है. ग्रामीण उनकी दुकान में नये जूते खरीदने और पुराने जूते बनवाने के लिए आते हैं. अच्छी आय होने से सलोचना अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं और समय पर समूह से लिए लोन को भी चुका रही हैं.

हुनर के सहारे रोजगार से जुड़ रहीं दीदियां

रूबी कुमारी

प्रखंड : चैनपुर
जिला : पलामू

अपैरल पार्क में सिलाई करतीं महिलाएं.

पलामू जिला अंतर्गत चैनपुर प्रखंड की महिलाएं आज रोजगार से जुड़ कर अपनी खुद की पहचान बना रही हैं. चैनपुर प्रखंड की 28 पंचायतों की 80 सखी मंडल की महिलाओं ने जेएसएलपीएस द्वारा रूरल सेल्फ एंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग सेंटर से दो महीनों का प्रशिक्षण लिया. इस प्रशिक्षण में उन्होंने ऑटोमेटिक सिलाई मशीन से सिलाई करना सीखा. अपैरल पार्क कुल दो करोड़ रुपये की लागत से पलामू जिला प्रबंधन द्वारा बनाया गया है. इसमें ऑटोमेटिक सिलाई मशीन लगी हुई हैं, जिनका प्रयोग कर महिलाएं कपड़े सिलती हैं. इन महिलाओं को जिला प्रबंधन द्वारा सरकारी विद्यालयों के बच्चों का स्कूल यूनिफॉर्म सिलने का काम दिया गया है. अपैरल पार्क का संचालन सखी मंडल की महिलाओं द्वारा ही किया जाता है. कोयल आजीविका अपैरल पार्क से जुड़ी सारी महिलाओं का एक उत्पादक समूह बनाया गया है, जिसे कोयल आजीविका उत्पादक समूह नाम दिया गया है. इस उत्पादक समूह में जुड़ने के लिए महिलाओं ने 1000 रुपये अनुपुंजी और 100 रुपये सदस्यता शुल्क जमा किया और अपना खुद का बैंक खाता खोला. कोयल आजीविका अपैरल पार्क की अध्यक्ष विनीता देवी बताती हैं कि अभी उन्हें सरकारी स्कूल के बच्चों का ड्रेस सिलने का ऑर्डर मिला है. भविष्य में अन्य निजी कंपनी या निजी स्कूल से भी कपड़े सिलने का ऑर्डर लेंगी. सचिव अंजू कुमारी कहती हैं कि जो महिला एक दिन में जितनी ड्रेस सिलेंगी, उन्हें उसी हिसाब से महीने के अंत में पैसा मिलेगा. कोयल आजीविका अपैरल ने पति की कमाई पर निर्भर रहनेवाली महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है.

महिलाओं के बीच बकरी का वितरण

बकरियों के साथ महिलाएं.

कुमारी पुनमवाला

प्रखंड : ठाकुरगंगटी
जिला : गोड्डा

गोड्डा जिले के ठाकुरगंगटी प्रखंड अंतर्गत चांदा पंचायत सचिवालय में जेएसएलपीएस द्वारा सेमिनार का आयोजन कर सखी मंडल की महिलाओं के बीच बकरी का वितरण किया गया. बकरी वितरण कार्यक्रम में समूह की 40 दीदियों को लाभुक के तौर पर चयन किया गया और उन्हें बकरियां दी गयीं. हर लाभुक को एक बकरा और चार बकरियां दी गयीं. इस दौरान कार्यक्रम में जेएसएलपीएस से जुड़े प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, ठाकुरगंगटी प्रखंड के बीपीएम, एफटीसी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि समेत काफी संख्या में सखी मंडल की दीदियां उपस्थित थीं. कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने महिला स्वावलंबन योजना के बारे में जानकारी दी. बीपीएम ने कहा कि बिना पूंजी के ग्रामीण महिलाओं को जीवन जीने के लिए संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं. बकरी वितरण कार्यक्रम इसका उदाहरण है. बकरी पालन के जरिये समूह की महिलाएं दो से ढाई वर्ष में अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं और अधिक पैसे कमा सकती हैं. समूह से जुड़ कर ग्रामीण महिलाएं अब रोजगार के लिए जागरूक हो रही हैं. एफटीसी संजीव कुमार ने बताया कि बकरी पालन एटीम की तरह है, क्योंकि जब पैसों की जरूरत होगी, बकरी बेच कर उसे पूरा किया जा सकता है. प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहले महिलाओं को पैसों की जरूरत होने पर पांच फीसदी प्रति सैकड़ा के ब्याज से लोन लेना पड़ता था, पर अब महिला समूह से जुड़ कर उन्हें बहुत कम ब्याज दर पर ही लोन मिल जाता है. ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला समूह एक सीढ़ी की तरह कार्य कर रही है. बकरी पालन के जरिये महिलाओं की आय में बढ़ोतरी होगी, पर उन्हें बकरियों की बेहतर देखभाल करनी होगी. उचित देखभाल से बकरी स्वस्थ रहेगी और ज्यादा दाम मिलेगा. बकरी पालन के तरीकों के बारे में भी कार्यक्रम में जानकारी दी गयी. महिलाओं को बताया गया कि जिस जगह पर बकरी रहेगी, उस जगह को हमेशा साफ-सुथरा रखें. सर्दी और गर्मी के मौसम में उनके बचाव के लिए उन्हें गुनगुने पानी में शक्कर मिला कर पिलाने से फायदा होता है. साथ ही उन्हें हरा चारा जरूर खिलाना चाहिए. महिलाओं को बताया गया कि आज भी देश की 30-35 लाख की आबादी बकरी पालन पर निर्भर है. कार्यक्रम के बाद बकरी मिलने से महिलाएं काफी खुश दिखीं.

समूह से पति के लिए खोलीं दुकान

ममता देवी

प्रखंड : मेदिनीनगर
जिला : पलामू

पलामू जिले के मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत चिंयाकी गांव की रहनेवाली रतनी मंडल समूह से जुड़ कर आत्मनिर्भर हो गयी हैं. इसके साथ ही अपने पति के लिए रोजगार के साधन का भी जुगाड़ कर दी हैं. इससे परिवार की आय अच्छी हो रही है और उनका परिवार खुशहाल है. रतनी देवी बताती हैं कि पहले वो किराना दुकान चलाती थीं, लेकिन पूंजी के अभाव में दुकान में सामान पूरा नहीं रख पाती थीं. धीरे-धीरे स्थिति और खराब हुई और दुकान बंद हो गयी. इसके बाद रतनी देवी और उनके पति खेती-बारी करने लगे, पर इससे तीन बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था. इस बीच रतनी देवी को गांव में बन रहे महिला समूह की जानकारी मिली और वो वर्ष 2015 में चमेली आजीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ गयीं. छह महीने बाद उन्होंने समूह से 10 हजार रुपये का लोन लिया और दुकान को दोबारा शुरू किया. पहले की अपेक्षा अब दुकान में अधिक सामान होने के कारण ज्यादा बिक्री होने लगी, जिससे अच्छी आमदनी भी होने लगी. फिर उन्होंने समूह से 15 हजार रुपये का लोन लेकर एक गाय खरीदी. इसकी देखभाल उनके पति करते हैं और दूध का कारोबार भी करते हैं. इस तरह से रतनी देवी की जिंदगी पहले की अपेक्षा अब ज्यादा खुशहाल हो गया है.

सिलाई मशीन से चल रही जिंदगी

सोमी कुमारी

प्रखंड : चौपारण
जिला : हजारीबाग

हजारीबाग जिले के चौपारण प्रखंड अंतर्गत सिधरावा गांव की रूबी देवी के लिए महिला समूह परिवार पालने का माध्यम बन गया है. अब वो अच्छे से अपने दो बच्चों की परवरिश कर पा रही हैं. रूबी बताती हैं कि वर्ष 2005 में उनकी शादी हुई. नयी उम्मीद लेकर पति के घर आयीं, लेकिन यहां उनके सभी सपने बिखर गये. पति शराबी थे, जिसके कारण आये दिन घर में कलह होता था. जोड़-तोड़ कर जो भी पैसे घर में रखती थीं, उसे शाम में पति शराब पीने के लिए ले जाते थे. वह कभी घर से बाहर कदम नहीं रखी थी, लेकिन अपने पति की हरकतों से तंग आकर उन्होंने कुछ करने का निर्णय लिया. इसी बीच महिला समूह के बारे में पता चला. रूबी समूह से जुड़ गयीं. समूह की हर गतिविधि में सक्रिय रहने लगीं और बचत करने लगीं. समूह की अन्य दीदियों ने रूबी की हिम्मत बढ़ाई. रूबी ने लोन लेकर सिलाई मशीन खरीदी और सिलाई का काम करने लगीं, पर उन्हें कपड़े की सिलाई करना नहीं आती थी. इस कारण सिलाई-कढ़ाई के लिए ग्राम संगठन ने उन्हें प्रशिक्षण दिलाया गया. प्रशिक्षण पाने के बाद अब वो बेहतर काम कर रही हैं. इसके माध्यम से रूबी अब अपनी आजीविका चला रही हैं. रूबी कहती हैं कि आजीविका ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया. अब पहले की अपेक्षा आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है.

ग्रामीणों को मिली पोषण की जानकारी

नयनतारा कुमारी

प्रखंड : लेस्लीगंज
जिला : पलामू

पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत कुंदरी गांव में सखी मंडल की दीदियों ने पोषण अभियान के तहत रैली निकाली. रैली के उपरांत एक कार्यक्रम में लेस्लीगंज प्रखंड के बीपीएम द्वारा पोषण माह से संबंधित जानकारी दी. गर्भवती एवं धातु महिलाओं को खाना खाने से पहले तथा खाना खाने के बाद साबुन से हाथ धोने पर विशेष जोर दिया गया. उन्हें बताया गया कि गर्भवती महिलाओं को आंगनबाड़ी केंद्र में रजिस्ट्रेशन करवाना चाहिए. आयरन और कैल्शियम की गोली खानी चाहिए. गर्भवती महिलाओं को सहिया का मोबाइल नंबर और एंबुलेंस का नंबर अपने पास रखना चाहिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में उनसे संपर्क किया जा सके. जिस अस्पताल में प्रसव कराना है, वहां पर पहले जाकर बातचीत कर लेनी चाहिए. दीदियों को बताया गया कि जन्म लेने के बाद नवजात को एक घंटे के अंदर मां का ही दूध पिलाना चाहिए. इससे नवजात में बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है. जन्म से लेकर छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध पिलाना चाहिए. छह माह के बाद दो साल तक के बच्चे को पूरक आहार देना चाहिए, ताकि बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास सही तरीके से हो सके. पोषण व गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य लाभ की बात गांव के घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया.

गीता की बदल गयी जिंदगी

प्रमिला कुमारी

प्रखंड : नगर ऊंटारी
जिला : गढ़वा

गढ़वा जिले के नगर उंटारी प्रखंड अंतर्गत नखोंरिया गांव की गीता देवी की जिंदगी आज काफी बदल चुकी है. पहले गीता की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी. पति मजदूरी करके रोजाना 150-200 रुपये कमाते थे, लेकिन इसमें भी आधी कमाई वो शराब पर खर्च कर देते थे. इस कारण चार बच्चों वाले परिवार का खर्च बहुत मुश्किल से चल पाता था. उनके घर की स्थिति और भी ज्यादा बिगड़ गयी, जब गीता के पति एक दिन अचानक गिर गये और उनके पैर की हड्डी टूट गयी. घर की पूरी जिम्मेदारी गीता के कंधों पर आ गयी. इसी बीच गीता को सखी मंडल की जानकारी मिली. उस वक्त गीता मजदूरी का काम करने के लिए गांव से बाहर जाती थीं. इसलिए वो समूह से जुड़ने से हिचकिचा रही थीं, क्योंकि उन्हें लगता था वो समूह को अधिक समय नहीं दे पायेंगी, लेकिन जेएसएलपीएस के कार्यकर्ताओं द्वारा इसके फायदे बताने पर गीता वर्ष 2017 में दुर्गा आजीविका सखी मंडल से जुड़ गयीं. सखी मंडल की अन्य महिलाओं ने उन्हें अपना रोजगार शुरू करने के लिए 5000 रुपये का ऋण दिलवाया. गीता उस पैसे से एक सिलाई मशीन खरीदीं. इस सिलाई मशीन के सहारे गीता पुराने कपड़ों से बिछावन और चटाई बनाने लगीं. अब गीता बिछावन और चटाई बेचकर हर महीने करीब नौ हजार रुपये कमा रही हैं.

सीएलएफ को चलाने की शपथ ली

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं सखी मंडल की सदस्य.

रंजू कुमारी बेसरा

प्रखंड : बसंतराय
जिला : गोड्डा

गोड्डा जिले के बसंतराय प्रखंड अंतर्गत सीएलएफ को सुचारु रूप से चलाने के लिए समूह की सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया. प्रशिक्षण के बाद सीएलएफ को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए दीदियों का चयन हुआ. इसके तहत अख्तरी खातून को अध्यक्ष, आशा देवी को सचिव, मांडवी देवी को कोषाध्यक्ष, गुड़िया देवी को उपाध्यक्ष और अंजुम आरा को उप सचिव चुना गया. सभी चयनित दीदियों ने सीएलएफ को सुचारु रूप से चलाने की शपथ ली. शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद पीआरपी द्वारा कलस्टर की संक्षिप्त जानकारी दी गयी. उन्होंने बताया गया कि बाघाकोल कलस्टर में कुल 151 समूह है, जिसमें 119 समूह का खाता खुल गया है. एसबीआइ बसंतराय शाखा में 54 सखी मंडल का खाता है. बाकी 65 सखी मंडलों का खाता ग्रामीण बैंक में खुला है. 47 सखी मंडलों को आरएफ की राशि दी जा चुकी है, जबकि 37 सखी मंडलों को ओटीएमसी की राशि दी गयी है. इसके बाद विधायक अमित मंडल ने सखी मंडल की महिलाओं को संबोधित किया. अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही राज्य सरकार का उद्देश्य है. इस दिशा में सरकार काम कर रही है. शौचालय निर्माण, उज्ज्वला योजना जैसी योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के लिए चलायी जा रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी पुरुषों को महिलाओं का सम्मान करने की शपथ दिलायी. साथ ही कहा कि आज के बाद सभी पुरुष घर में बच्चों की देखभाल करने में महिलाओं की मदद करेंगे. विधायक अमित मंडल ने कहा कि महिलाओं को सम्मान देने के लिए सरकार ने शौचालय निर्माण कराया है और गैस चूल्हा दिया है. गैस चूल्हा मिलने से महिलाओं को धुएं से आजादी मिली है. इसलिए सरकार ने आखिरी व्यक्ति तक गैस कनेक्शन देने की योजना बनायी है. गोड्डा डीपीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह में सबसे निचले पायदान पर महिला समूह है. दूसरे नंबर पर ग्राम संगठन होता है. तीसरा और अंतिम संकुल संगठन है. इन तीनों को नियमानुसार चलाना होता है. तब इसका लाभ सभी महिलाओं को मिलता है. पशुपालन विभाग से आये पदाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पशुपालन और कृषि कार्य के लिए विभाग सखी मंडल की हर संभव मदद करेगा. कार्यक्रम के बाद सखी मंडल की महिलाओं ने समूह को बेहतर तरीके से संचालित करने की बात कही.